जय हो जय हो तुम्हारी माँ विंध्याचली भजन लिरिक्स

जय हो जय हो तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
तेरा वध करने वाला तो गोकुल में है,
कंस को ये बताना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली।bd।

तर्ज – हाल क्या है दिलों का ना।

मास भादो का था थी तिथि अष्टमी,
कंस के पाप से त्रस्त थी ये जमी,
महामाया बनी मायापति की बहन,
रूप शिशु का बनाना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली।bd।

लाल वासुदेव का आठवी जानकर,
जब पटकने चला कंस शत्रु मानकर,
उस पापी दुराचारी के हाथ से,
आपका छूट जाना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली।bd।

भूमि का है अहम् श्रष्टि की चाल में,
पूजे 'देवेन्द्र' संग दुनिया कलिकाल में,
दर्शन 'कुलदीप' को शक्तिरूपा तेरा,
विंध्याचल में दिखाना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली।bd।

जय हो जय हो तुम्हारी माँ विंध्याचली,
विंध्य पर्वत पे आना गजब हो गया,
तेरा वध करने वाला तो गोकुल में है,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कंस को ये बताना गजब हो गया,
जय हों जय हों तुम्हारी माँ विंध्याचली।bd।

Singer – Devender Pathak Ji

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com